This question paper contains 4 printed pages.]

आपका अनुक्रमांक .....

7870 **A**

DIPLOMA

HINDI—Paper II

(Text)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

1. किसी एक पाठ का सारांश 250 शब्दों में लिखिए :

   (क) लोकमान्य तिलक

   (ख) हम एक हैं

   (ग) धरती का स्वर्ग

   (घ) प्रेमचन्द 20

2. किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर कोष्ठक (Bracket) में दिए गए पाठ (Text) के अनुसार लिखिए :

   (क) प्रेमचन्द के साहित्य का मूल स्वर क्या है? (प्रेमचन्द)

   (ख) डल झील भारत के किस प्रदेश में है? (धरती का स्वर्ग)

   (ग) प्राकृतिक दृष्टि से भारत वर्ष के कितने भाग हैं? (हम एक हैं)

(घ) चेरापूंजी में कितनी वर्षा होती है? (हम एक हैं)

(ङ) 'धरती का स्वर्ग' क्यों और किसे कहा जाता है? (धरती का स्वर्ग)

(च) 'विज्ञापन-युग' के लेखक का नाम बताइए। (विज्ञापन-युग)

(छ) 'वर्षागम' का अर्थ (Meaning) बताइए। (वर्षागम)

(ज) हरिशंकर परसाई ने 'टाइमपीस' किस तरह के आदमी को कहा है?

(समय पर मिलने वाले)

(4 × 5 = 20)

3. किन्हीं **पाँच** शब्दों/मुहावरों का अर्थ हिन्दी **अथवा** अंग्रेजी में देकर उनके हिन्दी वाक्य बनाइए :

अभाव, स्वराज्य, बहुत खूब, एकता, मेघ, नक्शा, जन-मानस, दूरदर्शी, कालजयी, गुलगपाड़ा। (5 × 4 = 20)

4. किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर कोष्ठक (Bracket) में दिए गए पाठ के अनुरूप दीजिए :

(क) लोकमान्य तिलक किसे जन्मसिद्ध अधिकार मानते थे?

(लोकमान्य तिलक)

(ख) 'तिलक' के विचार में स्वतन्त्रता किस प्रकार से प्राप्त हो सकती थी? (लोकमान्य तिलक)

(ग) विविधता में एकता का क्या अर्थ (Meaning) है? (हम एक हैं)

(घ) भारत की विविधता का सबसे बड़ा कारण क्या है?

(हम एक हैं)

(ङ) प्रेमचन्द के विचार से कथा का विषय कहाँ से प्राप्त हो सकता है?

(प्रेमचन्द)

(च) प्रेमचन्द किस प्रकार के व्यक्ति थे? (प्रेमचन्द)

(छ) सेठ नरोत्तम दास का पुत्र लखमीचन्द किस आन्दोलन का पक्षपाती था? (हार-जीत)

(ज) 'विज्ञापन' हमें कैसे प्रभावित करते हैं? (विज्ञापन-युग)

$(4 \times 5 = 20)$

5. निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं **पाँच** में व्यक्त विचारों को स्पष्ट कीजिए :

(क) गाँधीजी का विश्वास था कि मनुष्य भीतर से अच्छा हो जाए तो उसके द्वारा निर्मित बाह्य व्यवस्था भी अच्छी हो जाएगी। (प्रेमचन्द)

(ख) कश्मीर के कोने-कोने में सौन्दर्य बिखरा पड़ा है।

(धरती का स्वर्ग)

(ग) इन विज्ञापनों की लपेट से बचा नहीं जा सकता। (विज्ञापन-युग)

(घ) केसरी के निर्भीक लेखों ने सोई हुई जनता को जगा दिया।

(लोकमान्य तिलक)

(ङ) भाषा की दीवार के आर-पार बैठे हुए भी हम एक हैं।

(हम एक हैं)

(च) कल्याण का काम पहले घर से शुरू करो। (हार-जीत)

(छ) घूमते रहने से मेरी आँखें ठीक रही हैं। (धरती का स्वर्ग)

(ज) कविता एकान्त में लिखी जा सकती है। (प्रेमचन्द)

$(4 \times 5 = 20)$